पहचान सके तो पहचान घट घट में बसे है भगवान

पहचान सके तो पहचान,
घट घट में बसे है भगवान।bd।

चंदा की चांदनी,
सूरज की रोशनी,
तारो की झील मिलजन,
जिनकी शोभा अगम अपार,
घट घट में बसे है भगवान,
पेहचान सके तो पेहचान,
घट घट में बसे है भगवान।bd।

बिना रे सत के चले ना धरती,
बिन थंभे आसमान,
जिनकी महिमा वरणी न जाय,
घट घट में बसे है भगवान,
पेहचान सके तो पेहचान,
घट घट में बसे है भगवान।bd।

राम बिना मेरी सुनी अयोद्धया,
बिन राधा घनश्याम,
जिनकी शोभा वरणी न जाय,
घट घट में बसे है भगवान,
पेहचान सके तो पेहचान,
घट घट में बसे है भगवान।bd।

तुलसी दास आश रघुवर की,
थारो जन्म सफल हो जाय,
घट घट में बसे है भगवान,
पेहचान सके तो पहचान,
घट घट में बसे है भगवान।bd।

पहचान सके तो पहचान

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

– गायक & प्रेषक –
श्यामनिवास जी
9024989481

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com